मौसम आधारित कृषि परामर्श सेवाएं

(ग्रामीण कृषि मौसम सेवा)

केन्द्रीय शुष्क क्षेत्र अनुसंधान संस्थान, जोधपुर– 342003

दिनांकः 05 अगस्त 2014

जोधपुर

जिले के लिए भारत मौसम विज्ञान विभाग, क्षेत्रीय मौसम विज्ञान केन्द्र, जयपुर से प्राप्त मध्यावधि मौसम पूर्वानुमान

मौसमी तत्व / दिनांक	05-08-14	06-08-14	07-08-14	08-08-14	09-08-14
वर्षा (मि.मी.)	16	16	12	0	0
अधिकतम तापमान (°सेल्सियस)	34	34	33	33	33
न्यूनतम तापमान (°सेल्सियस)	28	27	27	26	26
बादलों की स्थिति (ओक्टा)	8	8	5	3	3
सापेक्षिक आर्द्रता (प्रतिशत) सुबह	72	82	89	85	85
सापेक्षिक आर्द्रता (प्रतिशत) शाम	62	81	72	56	54
हवा की गति (कि.मी/घंटा)	17	25	19	19	18
हवा की दिशा	पश्चिम	पश्चिम–दक्षिण–पश्चिम	दक्षिण–पश्चिम	दक्षिण–पश्चिम	दक्षिण–पश्चिम

मौसम पूर्वानुमान के आधार पर कृषि परामर्श सेवा, केन्द्रीय शुष्क क्षेत्र अनुसंधान संस्थान, जोधपुर द्वारा इस जिले के किसानों को सलाह :

वर्षा की संभावना

बाजरा की फसल 3–4 सप्ताह की हो गई हो तो वर्षा के बाद 40 से 50 किलो ग्राम प्रति हेक्टेयर की दर से यूरिया का भुरकाव करें ।

बाजरा की फसल में कतारों में पौधों की संख्या समान रखने के लिये वर्षा के साथ ही कतारों में रिक्त स्थानों पर पौधों की रोपाई करें। अगर कतारों में पाधों की संख्या अधिक हो तो आवश्यकता से अधिक पौधों को उखाड़ दें।

वर्षा की संभावना को देखते हुये मूँग व ग्वार की फसल में आवश्यकता से अधिक पानी जमा न होने दें अतः खेत में जल निकास का प्रबन्ध करें।

पशुपालक चारे के लिए बाजरा की राज बाजरा चरी 2, जायन्ट बाजरा किस्मों की बुवाई करें।

करेला, तुरई, टिण्डा, ककडी, बैंगन एवं टमाटर में फल छेदक कीट के नियंत्रण हेतु प्रभावित फलों को तोड़ कर भूमि में गाड़ कर नष्ट कर दें तथा मैलाथियॉन 50 ई. सी. (एक मि.ली. प्रति लीटर पानी) के घोल का छिडकाव करें।

ब्यान वाले पशुओं का विशेष ध्यान रखें व अलग बाड़े में रहने की व्यवस्था करें।

बरसात के मौसम में सभी पशुओं के आहार व स्वास्थय प्रबंधन पर विशेष ध्यान दें। हरा चारा खिलाने की मात्रा कम रखें जिससे पशुओं में आफरा नहीं हो।